सामाजिक विज्ञान (कोड-087)

कक्षा 10 - सत्र 2019-20

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 16

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. प्रश्न-पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है- 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड-क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निम्न में से कौनसा विकल्प इस चित्र को सबसे अच्छा दर्शाता है- 1

(a) नष्ट-भ्रष्ट होते पारिवारिक सम्बन्ध

(b) पश्चिमी हमले से उलट-पुलट पारिवारिक व्यवस्था

(c) पारंपरिक भूमिकाओं का निरूपण

(d) परिवार में महिलाओं का सम्मान

उत्तर (b) पश्चिमी हमले से उलट-पुलट पारिवारिक व्यवस्था

2. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें- 1
श्रीलंका में 1956 में एक कानून बनाकर सिंहली को हाशिये पर धकेल कर तमिल को राजभाषा बनाया गया।

उत्तर
श्रीलंका में 1956 में एक कानून बनाकर **तमिल** को हाशिये पर धकेल कर **सिंहली** को राजभाषा बनाया गया।

3. नारीवादी कौन है? 1

(a) ऐसा व्यक्ति जो पुरुष और महिला के लिए समान अधिकारों की माँग करता है।

(b) ऐसा व्यक्ति जो पुरुषों के लिए और अधिकारों की माँग करता है।

(c) ऐसा व्यक्ति जो ऊँची जाति की महिलाओं के लिए समान अधिकारों की माँग करता है।

(d) ऐसा व्यक्ति जो केवल महिलाओं के लिए अधिकारों की माँग करता है।

उत्तर (a) ऐसा व्यक्ति जो पुरुष और महिला के लिए समान अधिकारों की माँग करता है।

4. अफ्रीका का औपनिवेशीकरण 1885 में पूरा हुआ और इसे ..... कहा गया। 1

उत्तर पेपर विभाजन

अथवा

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ..... का मानना था कि भारतीय सोने के निर्यात से वैश्विक आर्थिक सुधार को बढ़ावा मिला।

उत्तर जॉन मेनार्ड कीन्स

5. दिया गया कार्टून राजनीतिक दलों के सामने उपस्थित निम्न में से किस चुनौती की ओर संकेत करता है?

(a) पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का न होना।
(b) वंशवाद की चुनौती।
(c) पैसा और अपराधी तत्त्वों की बढ़ती घुसपैठ।
(d) पार्टियों के बीच विकल्पहीनता।

उत्तर (c) पैसा और अपराधी तत्त्वों की बढ़ती घुसपैठ।

6. निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1
1. सविनय अवज्ञा आन्दोलन
2. जलियाँवाला हत्याकाण्ड
3. केबिनेट मिशन
4. बंगाल का विभाजन

(a) 2–4–1–3 (b) 4–2–3–1
(c) 3–1–2–4 (d) 4–2–1–3

उत्तर (d) 4–2–1–3

7. यदि कर्जदार कर्ज की अदायगी करने में असफल रहता है, तो महाजन को अधिकार है कि– 1
(a) वह कर्जदार को कर्ज की वापसी के लिए विवश करे।
(b) कर्जदार के विरुद्ध न्यायालय में मुकदमा दायर करे।
(c) अदायगी के सम्बन्ध में प्राप्त ऋणाधार को बेच दे।
(d) कर्ज देना बन्द कर दे।

उत्तर (c) अदायगी के सम्बन्ध में प्राप्त ऋणाधार को बेच दे।

8. कृष्णा–गोदावरी बेसिन किस खनिज के भण्डारों के लिए प्रसिद्ध है? 1
(a) लौह–अयस्क के (b) अभ्रक के
(c) प्राकृतिक गैस के (d) कोयले के

उत्तर (c) प्राकृतिक गैस के

9. निम्नलिखित तालिका को संघीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के विषयों के सम्बन्ध में सही जानकारी के साथ पूरा कीजिए– $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

संघीय सूची	राज्य सूची	समवर्ती सूची
रक्षा	(A)–?	शिक्षा
बैंकिंग	कृषि	(B)–?

उत्तर

(A) – पुलिस
(B) – वन

10. लोकतांत्रिक व्यवस्था के राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं के बारे में किए गए अध्ययन क्या बताते हैं? 1

उत्तर

ये बताते हैं कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में असमानताएँ बनी रहती हैं।

11. मरुस्थलीय (शुष्क) मिट्टी को कृषि के लिए उपयोगी कैसे बनाया जा सकता है? 1

उत्तर

सिंचाई की सुविधाएँ जुटा कर मरुस्थलीय मिट्टी को कृषि के लिए उपयोगी बनाया जा सकता है।

अथवा

पंजाब, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश में खेती की सघनता बहुत अधिक होने का कारण बताइए।

उत्तर

इन क्षेत्रों में सुनिश्चित सिंचाई की व्यवस्था है, नल–कूप तथा नहरें सिंचाई के प्रमुख साधन हैं।

12. फ्रांसीसी समाज का ढाँचा दोषपूर्ण था। देश की 90 प्रतिशत जनसंख्या किसान वर्ग की थी लेकिन जमीन पर कुलीनों, चर्च और अमीरों का अधिकार था। कुलीन वर्ग और पादरी वर्ग के लोगों को विशेषाधिकार मिले हुए थे। तीसरे वर्ग के लोग जिसमें किसान, कारीगर, मज़दूर या छोटे व्यापारी शामिल थे, को राज्य के साथ–साथ चर्च को भी कर चुकाना पड़ता था। 1
उपर्युक्त जानकारी का विश्लेषण करते हुए बताइये कि यह फ्रांसीसी क्रांति के किन कारणों की ओर संकेत करती हैं?
(a) आर्थिक कारण (b) तात्कालिक कारण
(c) सामाजिक कारण (d) राजनीतिक कारण

उत्तर (b) सामाजिक कारण

13. बाजरा को ..... भी कहा जाता है। 1

उत्तर मोटा अनाज

अथवा

कृषि भारत की आबादी के 63 प्रतिशत से अधिक को ..... प्रदान करती है।

उत्तर आजीविका

14. सूची–I में दिए गए भारत के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय वायु पत्तनों को सूची–II में दिए गए राज्यों से सुमेलित करें– 1

	सूची–I		सूची–II
1.	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा	क	चेन्नई
2.	जवाहरलाल नेहरू अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा	ख	कोलकाता
3.	इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा	ग	मुम्बई
4.	कामराज डोमेस्टिक टर्मिनल	घ	दिल्ली

उत्तर 1–ख, 2–ग, 3–घ, 4–क

15. 1973 तक सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक कौन–सा था? 1

उत्तर प्राथमिक क्षेत्रक।

अथवा

2003 में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्रक कौन–सा था?

उत्तर तृतीयक क्षेत्रक।

16. भारत में फोर्ड मोटर कंपनी कब आई? 1

उत्तर 1995 में।

अथवा

किस क्षेत्र को वैश्वीकरण से सब से कम लाभ हुआ हैं?

उत्तर कृषि क्षेत्रक।

17. "यद्यपि भारत संसार का एक महत्त्वपूर्ण लौह–इस्पात उत्पादक देश है तथापि हम लोहा और इस्पात उद्योगों के पूर्ण संभाव्य का विकास नहीं कर पाए हैं।" इसका कोई एक कारण दीजिए। 1

उत्तर

उच्च लागत तथा कोंकिंग कोयले की सीमित उपलब्धता।

18. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंग अनुपात कितना था? 1

(a) 940 (b) 910

(c) 840 (d) 950

उत्तर (a) 940

19. पंचायत समिति का गठन कैसे होता है? 1

(a) गाँवों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है

(b) पंचायतों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है

(c) कई पंचों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है

(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर (c) कई पंचों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है।

20. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : कच्चे तेल का भंडार पूरी दुनिया में तेजी से कम हो रहा है और देशों को कच्चे तेल के लिए वैकल्पिक ईंधन खोजने की जरूरत है।

कारण (R) : एक देश जो कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भर है। भविष्य में और अधिक कच्चे तेल की माँग करेगा।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत हैं।

उत्तर (b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

खण्ड–ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति लोगों और औपनिवेशिक सरकार ने किस प्रकार प्रतिक्रिया व्यक्त की? स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया

1. देश के विभिन्न भागों में हजारों लोगों ने नमक कानून तोड़ा तथा सरकारी नमक कारखानों के सम्मुख प्रदर्शन किए।
2. किसानों ने लगान और चौकीदारी कर चुकाने से साफ इंकार कर दिया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति औपनिवेशिक सरकार की प्रतिक्रिया

1. आंदोलन से चिंतित होकर औपनिवेशिक सरकार कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार करने लगी।
2. शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे सत्याग्रहियों पर लाठियाँ बरसाई गईं। औरतों व बच्चों को मारा–पीटा गया तथा लगभग एक लाख लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

अथवा

असहयोग आंदोलन धीरे–धीरे शहरों में मंद क्यों पड़ने लगा? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

असहयोग आंदोलन के शहरों में धीमा पड़ने के निम्नलिखित कारण थे–

1. खादी का कपड़ा मिलों में भारी मात्रा में बनने वाले कपड़े के मुकाबले में प्रायः महँगा होता था और गरीब लोग उसे खरीद नहीं सकते थे। अतः वे मिलों के कपड़े का लंबे समय तक बहिष्कार नहीं कर सकते थे।
2. ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से भी समस्या पैदा हो गई। आंदोलन की सफलता के लिए वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना आवश्यक थी ताकि ब्रिटिश संस्थानों के स्थान पर उनका उपयोग किया जा सके, परन्तु वैकल्पिक संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया धीमी थी। फलस्वरूप, विद्यार्थी और शिक्षक सरकारी स्कूलों में लौटने लगे और वकील दोबारा सरकारी अदालतों में दिखाई देने लगे।
3. काउंसिल के चुनावों का सभी वर्गों ने बहिष्कार नहीं किया। मद्रास की जस्टिस पार्टी ने काउंसिल चुनावों में भाग लिया।

22. नवीकरणीय संसाधन क्या हैं? उनके नवीकरण में कौन सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं? 3

उत्तर :

नवीकरणीय संसाधन वे संसाधन हैं जो बार–बार प्रयोग में लाये जा सकते हैं। ये पुनः उत्पादित हो सकते हैं जैसे– फसल, वृक्ष आदि। निम्न प्रक्रियाएँ इनके नवीकरण में प्रयोग होती है–

1. भौतिक प्रक्रिया।
2. रासायनिक प्रक्रिया।
3. यांत्रिक प्रक्रिया।

ये निरंतर प्रवाह संसाधन भी कहलाते हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, वन तथा वन्य जीव इसके उदाहरण हैं।

अथवा

मृदा संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर :

मृदा संरक्षण के लिये निम्न उपाय किए जा सकते हैं–

1. समोच्च रेखाओं के अनुरूप जुताई करना– इससे वर्षा जल ढाल के साथ तेजी से नहीं बहता। इसे समोच्च जुताई कहते हैं।
2. पहाड़ों पर सीढ़ी बनाकर– सीढ़ी निर्माण मृदा अपरदन को रोकता है।
3. विशाल खेत को पट्टियों में विभाजित करके मृदा संरक्षण किया जा सकता है। फसलों के मध्य घास की पेटी को उगाना चाहिए। इससे पवन वेग का प्रभाव कम होगा। इसे पट्टीदार खेती कहते हैं।
4. वृक्षों की पंक्तियों से आश्रय पेटी बनाना– तटीय इलाकों में इसे प्रयोग में लाया जाता है।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़ें और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें– $1+1+1=3$

स्रोत क

एक राष्ट्र लंबे प्रयासों, त्याग और निष्ठा का चरम बिंदु होता है। शौर्य–वीरता से युक्त अतीत, महान पुरूषों के नाम और गौरव वह सामाजिक पूँजी है जिस पर एक राष्ट्रीय विचार आधारित किया जाता है। अतीत में समान गौरव का होना, वर्तमान में एक समान इच्छा, संकल्प का होना साथ मिलकर महान काम करना और आगे, ऐसे काम और करने की इच्छा– एक जनसमूह होने की यह सब जरूरी शर्ते हैं। अतः राष्ट्र एक बड़ी और व्यापक एकता है.....उसका अस्तित्व रोज होने वाला जनमत संग्रह है। प्रांत उसके निवासी हैं। अगर सलाह लिए जाने का किसी का अधिकार है तो वह निवासी ही है। किसी देश का विलय करने या किसी देश पर उसकी इच्छा के विरुद्ध कब्जा जमाए रखने में एक राष्ट्र की वास्तव में कोई दिलचस्पी होती नहीं है। राष्ट्रों का अस्तित्व में होना एक अच्छी बात है, बल्कि यह एक जरूरत भी है। उनका होना स्वतंत्रता की गारंटी है और अगर दुनिया में केवल एक कानून और उसका केवल एक मालिक होता तो स्वतंत्रता का लोप हो जाएगा।

स्रोत ख

ग्रिम्सफेयरीटेल्स एक जाना–माना नाम है। जैकब ग्रिम और विल्हेल्म ग्रिम बंधुओं का जन्म क्रमशः 1785 और 1786 में जर्मनी के हनाऊ शहर में हुआ था। जिस समय ये दोनों भाई कानून की पढ़ाई कर रहे थे उसी समय उन्होंने शौकिया तौर पर पुरानी लोक कथाएँ इकट्ठा करना शुरू कर दिया। वे छह साल तक गाँव–गाँव जाकर यही काम करते रहे। वे लोगों से बात करते थे और पीढ़ियों से चली आ रही जो भी लोक कथा उनकी जानकारी में आती उसे लिखकर रख लेते थे। ये कहानियाँ बच्चों और बड़ों में समान रूप से पसंद की जाती थी। 1812 में उन्होंने इन कहानियों का पहला संग्रह प्रकाशित किया। बाद में दोनों भाई उदारवादी राजनीति में सक्रिय हो गए। प्रेस की स्वतंत्रता के आंदोलन में उन्होंने विशेष रूचि ली। इसी बीच उन्होंने 33 खंडों में जर्मन भाषा का शब्दकोश भी प्रकाशित कर डाला।

ग्रिम बंधु फ्रांस के वर्चस्व को जर्मन संस्कृति के लिए खतरा मानते थे। उनको विश्वास था कि उन्होंने जो लोककथाएँ इकट्ठी की हैं वे विशुद्ध और सच्ची जर्मन भावना की अभिव्यक्ति हैं। लोक कथाएँ इकट्ठी करने और जर्मन भाषा को विकसित करने के अपने प्रयासों को वे फ्रांसीसी प्रभुत्व का विरोध करने और एक जर्मन राष्ट्रीय पहचान गढ़ने की व्यापक योजना का हिस्सा मानते थे।

स्रोत ग

'महिलाओं को राजनैतिक अधिकारों से वंचित रखना वाकई बेतुका और अविवेकपूर्ण है जबकि उन्हें संपत्ति का अधिकार है जिसका वे इस्तेमाल करती हैं और जिम्मेदारियाँ भी उठाती हैं हालाँकि उन्हें वे लाभ नहीं मिलते जो उसी के लिए पुरूषों को मिलते हैं ..... यह अन्याय क्यों? क्या यह लज्जा की बात नहीं कि सबसे मूर्ख मवेशी–पालक को मत देने का अधिकार सिर्फ इसलिए है क्योंकि वह एक पुरूष है जबकि अत्यंत काबिल महिलाओं को, जो काफी संपत्ति की मालकिन होती हैं, इसी हक से वंचित रखा जाता है यद्यपि वे राज्य के रख–रखाव में इतना ज्यादा योगदान देती है।

स्रोत क

23.1 राष्ट्रों का अस्तित्व में होना किस बात की गारंटी है? 1

उत्तर :

राष्ट्रों का अस्तित्व में होना स्वतंत्रता की गारंटी है और अगर दुनिया में एक कानून और उसका केवल एक मालिक होता तो स्वतंत्रता का लोप हो जाता।

स्रोत ख

23.2 क्या ग्रिम्स बंधुओं की अन्य कोई विशेष गतिविधि भी थी? 1

उत्तर :

दोनों भाई उदारवादी राजनीति में सक्रिय थे विशेषतः प्रेस की स्वतंत्रता के आंदोलन में।

स्रोत ग

23.3 महिलाओं के केस की वकालत क्यों की गई है? एक तर्क दें। 1

उत्तर :

एक चरवाहे तक को वोट देने का अधिकार है क्योंकि वह एक आदमी है परंतु एक उच्च शिक्षित महिला को वोट देने का अधिकार नहीं।

24. भारतीय रेल जाल के वितरण का प्रतिरूप भौतिक कारकों से प्रभावित है। इस कथन की समीक्षा कीजिए। 3

उत्तर :

देश में रेल परिवहन के वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में भौतिक कारक प्रमुख हैं–

1. उत्तरी मैदान अपनी विस्तृत समतल भूमि, सघन जनसंख्या घनत्व, संपन्न कृषि व प्रचुर संसाधनों के कारण रेल परिवहन के विकास व वृद्धि में सहायक रहा है, यद्यपि असंख्य नदियों के विस्तृत जल मार्गों पर पुलों के निर्माण में कुछ बाधाएँ आई है।
2. प्रायद्वीप भारत में, रेलमार्ग ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी क्षेत्रों, छोटी पहाड़ियों और सुरंगों आदि से होकर गुजरते हैं।
3. हिमालय पर्वतीय क्षेत्र भी दुर्लभ उच्चावच, विरल जनसंख्या तथा आर्थिक अवसरों की कमी के कारण रेलवे लाइन के निर्माण में प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है।
4. इसी प्रकार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात के दलदली भाग, मध्यप्रदेश के वन-क्षेत्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा व झारखंड में रेल लाइन निर्माण करना कठिन है।
5. सह्याद्रि तथा उससे सन्निध क्षेत्र को भी घाट या दर्रों के द्वारा ही पार कर पाना संभव है।

अथवा

भारत में पर्यटन उद्योग के आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

तीर्थाटन, शिक्षा आदि के रूप में पर्यटन प्राचीन समय से ही मानव समाज में प्रचलित क्रिया रही है। परिवहन एवं संचार के साधनों के तीव्र विकास ने इसमें बहुत वृद्धि की है तथा इसके कई नए आयाम जैसे- मेडिकल टूरिज्म, विरासत पर्यटन, रोमांचकारी पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, व्यापारिक पर्यटन आदि प्रकट हुए हैं। इसके निम्नलिखित प्रभाव मानव समाज पर दिखाई देते हैं–

1. पर्यटन राष्ट्रीय एकता को बढ़ाता है।
2. स्थानीय हस्तकला एवं सांस्कृतिक उद्यमों को प्रश्रय देता है।
3. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्कृतियों एवं विरासत के प्रति समझ बढ़ाकर संवेदनशील बनाता है।
4. रोजगार सृजन का यह एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है।

25. हाथ की छपाई की अपेक्षा मशीनी छपाई ने मुद्रण में क्रांति ला दी थी। स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. 1450 से 1550 तक के 100 वर्षों मे यूरोप के अधिकतर देशों में छापेखाने स्थापित हो चुके थे।
2. काम की खोज तथा नए छापेखानों को शुरू करने में सहायता करने के लिए जर्मनी से प्रिंटरों ने दूसरे देशों में जाना शुरू कर दिया। जैसे ही अनेक प्रिंटिंग प्रेसें स्थापित हुई, पुस्तकों के उत्पादन में भारी उछाल आ गया।
3. 15वीं सदी के दूसरे हिस्से में यूरोप में 2 करोड़ छपी पुस्तकों की प्रतियों की बाढ़ आ चुकी थी। यह संख्या 16वीं सदी में लगभग 20 करोड़ प्रतियाँ हो गई।
4. इससे लोक चेतना बदली और चीजों को देखने का नजरिया बदला।

26. सत्ता के क्षैतिज वितरण से क्या अभिप्राय है? भारत का उदाहरण देकर इसकी व्याख्या कीजिए। 3

उत्तर :

1. जब शासन के विभिन्न अंग जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता के बँटवारे की व्यवस्था हो तब इसे सत्ता का क्षैतिज वितरण कहा जाता है।
2. भारत में राष्ट्रपति और मंत्री परिषद् कार्यपालिका के रूप में कार्य करते हैं। वैसे ही संसद विधायिका तथा सर्वोच्च न्यायालय, न्यायपालिका के भाग होते हैं। इनके बीच शक्तियों का विभाजन होता है ताकि कोई भी सत्ता का असीमित उपयोग नहीं कर सके।
3. हर अंग एक-दूसरे पर अंकुश रखता है। जैसे- भारतीय न्याययालिका, विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों पर अंकुश रखती है और विधायिका और कार्यपालिका न्यायपालिका के। इस प्रकार वे शक्ति को संतुलित रखते हैं।

27. अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमन्द लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करते हैं? 3

उत्तर :

अतिरिक्त मुद्रा वाले व्यक्ति अपनी मुद्रा को बैंकों में अपने नाम से खाता खोलकर जमा कर देते हैं। बैंक ये निक्षेप स्वीकार करते हैं और इस पर ब्याज भी देते हैं। इस तरह लोगों की मुद्रा बैंकों के पास सुरक्षित रहती है और इस पर ब्याज भी मिलता है। लोगों को इसमें से जब चाहे मुद्रा निकालने की सुविधा भी प्रदान की जाती है। बैंक इस जमा राशि का केवल 15% हिस्सा नकद के रूप में अपने पास रखते हैं। बैंक जमा राशि के प्रमुख भाग को जरूरतमंद लोगों को कर्ज देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए कर्ज की बहुत माँग रहती है। बैंक लोगों को कर्ज देता है और उन पर ब्याज लगाता है। इस प्रकार बैंक दो गुटों के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं।

अथवा

क्या कारण है कि बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते?

उत्तर :

निम्नलिखित कारणों से बैंक कुछ कर्जदारों को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं होते हैं–

1. कुछ लोगों के पास बैंक में गिरवी रखने के लिए कोई सम्पत्ति नहीं होती है।
2. कुछ लोग इस अवस्था में नहीं होते हैं कि ऋण का भुगतान कर सकें।
3. कुछ लोग पहले से ही उधारी के पंजों में जकड़े होते हैं, इसीलिए बैंक उन लोगों को और ऋण नहीं देना चाहता है।

28. शहरी क्षेत्रों में किस प्रकार रोजगार को बढ़ाया जा सकता है?3

उत्तर :

शहरी क्षेत्रों में निम्न तरीकों से रोजगार को बढ़ाया जा सकता हैं–

1. वर्तमान शिक्षा पद्धति में सुधार करके इसको स्कूली अवस्था से ही व्यवसायोन्मुख बनाना। इसके अलावा छात्रों में आत्मनिर्भरता की आदतें बचपन से ही डालनी आवश्यक है।
2. औद्योगिक क्रियाकलापों के सुदूर एवं पिछड़े हुए गाँवों तक विस्तार देने की ठोस कार्यवाही अपेक्षित है।
3. बैंकों से स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जाए और कुटीर उद्योग–धंधों का प्रोन्नयन किया जाए।
4. न्यूनतम पूँजी निवेश वाली उत्पादन की प्राविधियाँ विकसित की जाएँ।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में भारत के कपड़ा निर्यात में गिरावट आने के क्या कारण थे? उसके क्या परिणाम हुए? 5

उत्तर :

कपड़ा निर्यात में गिरावट के कारण

1. ब्रिटिश सरकार द्वारा आयातित कपड़े पर आयात शुल्क लगा दिया गया। इंग्लैंड में कपास उद्योग विकसित होने के पश्चात् उद्योगपतियों ने सरकार द्वारा आयातित कपड़े पर आयात शुल्क लगाने के लिए दबाव डाला ताकि उनका कपड़ा इंग्लैंड में बिना प्रतिस्पर्धा के बिक सके।
2. ईस्ट इंडिया कंपनी पर भारत में ब्रिटिश कपड़ा बेचने का भी दबाव डाला गया।

परिणाम–

1. 1850 तक सूती कपड़े का आयात भारतीय आयात का 31 प्रतिशत हो गया और 1870 में यह बढ़कर 50 प्रतिशत पहुँच गया था।
2. भारतीय बुनकरों के लिए निर्यात बाजार समाप्त होने लगा तथा स्थानीय बाजार भी कम होने लगा, क्योंकि वे इंग्लैंड के सस्ते और टिकाऊ कपड़े का मुकाबला नहीं कर सकते थे।
3. बुनकर क्षेत्रों में कमी तथा बेकारी में वृद्धि हुई।
4. 19वीं शताब्दी के अंत में भारतीय कारखानों में उत्पादन होने से बाजार मशीनी माल से भर गया। ऐसे में बुनकरों के द्वारा बनाया गया कपड़ा मशीनी कपड़े के समक्ष नहीं टिक पाया और बुनकर उद्योग को गहरा आघात पहुँचा।
5. 1860 के दशक में अच्छी कपास नहीं मिल रही थी, क्योंकि अमेरिकी गृहयुद्ध के कारण अमेरिका से कपास की सप्लाई बंद होने से ब्रिटेन भारत से कपास मंगाने लगा। इससे कपास की कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप बुनकरों की आर्थिक दशा काफी खराब हो गई।

अथवा

भारत में अंग्रेजी शासन ने आधुनिक उद्योगों के विकास में रुकावटें किस तरह खड़ी की?

उत्तर :

1. **विदेशी पूँजी एवं नियंत्रण**– विदेशी पूँजीपतियों ने भारत में उद्योग स्थापित किये। उन्हें कई प्रकार की सुविधाएँ सरकार की ओर से मिली। भारत में उन्हें कच्चा माल तथा मजदूर भी सस्ते मिलते थे। इन उद्योगों में नियंत्रण भी उन्हीं का था। इस स्थिति में भारतीय उद्योग स्थापित करना कठिन काम था। व्यापार की तरह उद्योगों में भी अंग्रेजों ने एकाधिकार स्थापित कर लिया।
2. **आधुनिक उद्योगों की प्रगति की चाल का धीमा रहना**– भारतीय उद्योग विदेशी पूँजी के कारण दास बने रहे, इसलिए भारतीय उद्योगों का सर्वांगीण विकास न हो सका और उनकी गति धीमी रही। 20वीं सदी के चौथे दशक तक भारतीय औद्योगिक प्रगति सूती कपड़े, चीनी, सीमेंट तथा जूट और बागान तक ही सीमित रही। यूरोपीय देशों के मुकाबले यह प्रगति प्रायः नगण्य थी।
3. **सरकार की भेदभाव की नीति**– उद्योगों के प्रति सरकार का रवैया पक्षपातपूर्ण था। विदेशी उद्योगपतियों के माल पर कम भाड़ा तथा उत्पादन कर में छूट थी, परंतु स्थानीय उद्योगपतियों को उत्पादन पर अधिक कर देना पड़ता था। रेल भाड़े आदि में भी उन्हें किसी प्रकार की छूट नहीं मिलती थी।
4. **आधारभूत एवं भारी उद्योगों का अभाव**– हमें अपने उद्योगों को स्थापित करने के लिए विदेशी मशीनों तथा कल–पुर्जों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी मशीनों को विदेशों से मँगाने तथा विदेशी टेक्नीशियनों द्वारा ही उनकी मरम्मत कराने के कारण हम दूसरों पर निर्भर रहने लगे। देश में आधारभूत तथा भारी उद्योग न रहने के कारण हम औद्योगिक तरक्की न कर सके।
5. **औद्योगिक सुविधाओं की ओर उदासीनता**– नए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय उद्योगपतियों को न तो ऋण सुविधा प्राप्त थी और न ही बीमा सुविधा, जबकि

विदेशी उद्योगपतियों को ये सारी सुविधाएँ प्राप्त थी। संचार एवं यातायात के साधनों में सुधार पर भी सरकार का ध्यान न था। तकनीकी प्रशिक्षण के लिए केवल सात इंजीनियरिंग कॉलेज पूरे देश के लिए पर्याप्त न थे। मंडियों के विकास की ओर भी ध्यान नहीं दिया गया।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें– $1 + 2 + 2 = 5$

देशों की तुलना करने के लिए उनकी आय सबसे महत्त्वपूर्ण विशिष्टता समझी जाती है। जिन देशों की आय अधिक है उन्हें कम आय वाले देशों से अधिक विकसित समझा जाता है। यह इस समझ पर आधारित है कि अधिक आय का अर्थ है मानवीय आवश्यकताओं की सभी वस्तुओं का अधिक होना। जो भी लोगों को पसंद है और जो उनके पास होना चाहिए, वे उन सभी वस्तुओं को अधिक आय के द्वारा प्राप्त कर पायेंगे। इसलिये, ज्यादा आय अपने आप में एक महत्त्वपूर्ण लक्ष्य समझा जाता है। अब, एक देश की आय क्या है? अन्तर्दृष्टि से, किसी देश की आय उस देश के सभी निवासियों की आय है। इससे हमें देश की कुल आय ज्ञात होती है।

लेकिन, देशों के बीच तुलना करने के लिए कुल आय इतना उपयुक्त माप नहीं है। क्योंकि देशों की जनसंख्या अलग–अलग होती है, कुल आय की तुलना करने में हमें यह ज्ञात नहीं होगा कि औसत व्यक्ति क्या कमा सकता है? क्या एक देश के लोग दूसरे देश के लोगों से बेहतर हैं? इसलिए, हम औसत आय की तुलना करते हैं जो कि देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर निकाली जाती है। औसत आय को प्रतिव्यक्ति आय भी कहा जाता है।

विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार, देशों का वर्गीकरण करने में इस मापदण्ड का प्रयोग किया गया है। वे देश जिनकी 2016 में प्रतिव्यक्ति आय US $12,236 प्रति वर्ष या उससे अधिक है, उसे समृद्ध देश और वे देश जिनकी प्रतिव्यक्ति आय US $1005 प्रति वर्ष या उससे कम है, उन्हें निम्न आय वाला देश कहा गया है। भारत मध्य आय वर्ग के देशों में आता है क्योंकि उसकी प्रतिव्यक्ति आय 2016 में केवल US $1840 प्रति वर्ष थी। समृद्ध देशों, जिनमें मध्य पूर्व के देश और कुछ अन्य छोटे देश शामिल नहीं हैं, को आमतौर पर विकसित देश कहा जाता है।

30.1 प्रतिव्यक्ति आय कैसे निकालते हैं?

30.2 औसत आय विकास के लिए एक महत्त्वपूर्ण मापदंड है। तथ्य दीजिए।

30.3 कुछ ऐसे उदाहरण दीजिए, जहाँ आय के अतिरिक्त अन्य कारक हमारे जीवन के महत्त्वपूर्ण पहलू हैं।

उत्तर :

30.1

देश की कुल आय को उसकी जनसंख्या से भाग देकर हम प्रति व्यक्ति आय प्राप्त करते हैं।

30.2

(a) देशों की तुलना करने के लिए आय को एक अति महत्त्वपूर्ण मापदंड माना जाता है।

(b) उच्च आय वाले देशों को विकसित देश और कम आय वाले देशों को अविकसित या विकासशील माना जाता है।

(c) इस सोच का आधार यह है कि अधिक आय का अर्थ वह सभी वस्तुएँ हैं जो मनुष्य की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अधिक आय वाले लोग अपनी पसंद से अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

30.3

निम्नलिखित परिस्थितियों में आय के अतिरिक्त कुछ और भी कारक हमारे जीवन के महत्त्वपूर्ण पहलू होते हैं–

(a) ग्रामीण महिला के लिए लैंगिक समानता, आय से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है।

(b) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए समाजिक समानता और सम्मान आय से अधिक महत्त्वपूर्ण हैं।

(c) अनियमित श्रमिकों के लिए रोजगार सुरक्षा आय से अधिक महत्त्वपूर्ण कारक है।

31. कृषि और उद्योग एक–दूसरे के पूरक हैं। इस कथन का तीन उदाहरणों सहित विश्लेषण कीजिए। 5

उत्तर :

कृषि एक प्राकृतिक उत्पादक संसाधन है जबकि उद्योग कृत्रिम उत्पादक संसाधन है। कृषि में खेतों में बीजों को बोकर उनके उगने हेतु आवश्यक पदार्थों जैसे– खाद, जल, कीटाणुनाशक दवायें आदि का प्रयोग करके उन्हें उगाया जाता है। पालतू पशुओं का चारा भी कृषि से प्राप्त किया जाता है। ये पशु भी उत्पादन में सहायक होते हैं। ये हमें दूध भी प्रदान करते हैं। कृषि से उद्योगों के लिए कच्चा माल भी प्राप्त किया जाता है।

उदाहरण–

1. उद्योगों में कच्चा लोहा प्रयोग किया जाता है जिससे अनेकों प्रकार के औजार तैयार किये जाते हैं। इन औजारों का उपयोग कृषि कार्यों में किया जाता है। इनमें खुर्पी, कुदाल, हँसिया, फावड़ा, हल की फाली, दराँती, बेलचा, आरी, थ्रेसर, फव्वारा आदि प्रमुख हैं।
2. ट्रक, ऑटो रिक्शा, साइकिल, बस, कार आदि का निर्माण उद्योगों में ही होता है। ये सभी वाहन तृतीयक क्षेत्रक के रूप में प्रयोग होते हैं।
3. पशुओं का गोबर, कृषि का कचरा आदि बायो गैस बनाने में प्रयोग किए जाते हैं। इससे उत्पन्न ऊर्जा, प्रकाश, खाना पकाने तथा लघु उद्योगों में प्रयोग की जाती है।

अतः कहा जा सकता है कि कृषि और उद्योग एक–दूसरे के पूरक है।

32. परिवहन तथा संचार के साधन किसी देश की जीवन रेखा तथा अर्थव्यवस्था क्यों कहे जाते हैं? 5

उत्तर :

वस्तुओं, सेवाओं तथा लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना परिवहन कहलाता है। यह परिवहन तीन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों से किया जाता है– स्थल, जल तथा वायु। संचार के साधन वे साधन हैं जिनका प्रयोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक संदेश भेजने के लिए किया जाता है। ये दोनों ही किसी देश की जीवन रेखा कहे जाते हैं, क्योंकि–

1. आज भारत अपने विशाल आकार, विविधताओं, भाषाई तथा सामाजिक व सांस्कृतिक बहुलताओं के बावजूद संसार के सभी क्षेत्रों से जुड़ा है।
2. रेल, वायु एवं जल परिवहन, समाचार–पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा तथा इंटरनेट आदि इसके सामाजिक–आर्थिक विकास में अनेक प्रकार से सहायक हैं।
3. स्थानिक से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय व्यापार ने अर्थव्यवस्था को जीवन शक्ति दी है।
4. इसने हमारे जीवन को समृद्ध किया है तथा आरामदायक जीवन के लिए सुविधाओं व साधनों में विकास किया है।
5. प्रत्येक व्यक्ति अपने प्रतिदिन के जीवन में विभिन्न सामग्रियों एवं सेवाओं का प्रयोग करता है। इनमें से कुछ उसके आसपास उपलब्ध होती हैं, जबकि कुछ अन्य चीजों की आवश्यकता दूसरे स्थानों से लाकर पूरी की जाती है।
6. वस्तुएँ तथा सेवाएँ माँग स्थल से आपूर्ति स्थल पर अपने आप नहीं पहुँचतीं, उन्हें आपूर्ति स्थानों से माँग स्थानों तक ले जाने में परिवहन की आवश्यकता होती है।
7. एक देश के विकास की गति वस्तुओं तथा सेवाओं के उत्पादन के साथ उनके एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की सुविधा पर निर्भर करती हैं। इसलिए सक्षम परिवहन के साधन तीव्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
8. आधुनिक संचार तथा परिवहन के साधन हमारे देश और इसकी आधुनिक अर्थव्यवस्था को संचालित करते हैं। इसलिए सघन व सक्षम परिवहन का जाल तथा संचार के साधन आज विश्व, राष्ट्र व स्थानीय व्यापार हेतु पूर्व–अपेक्षित हैं। इसीलिए इन साधनों को देश की जीवन रेखाएँ तथा अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

33. भारत सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए किस प्रकार प्रयास कर रही हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर :

भारत एक विकासशील देश है। यहाँ व्यवसाय चलाने, उद्योग स्थापित करने तथा इमारतों के निर्माण हेतु बड़ी संभावनाएँ हैं। भारत में इन उद्देश्यों की पूर्ति करने के लिए धन की आवश्यकता होती है जिसका यहाँ अभाव हैं। इस अभाव की पूर्ति के लिए विदेशों को निवेश के लिए आकर्षित करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमारी सरकार निम्न प्रयास कर रहीं है–

1. विदेशों को निवेश के लिए ऊँची ब्याज दर का लालच देना।
2. विदेशियों को यहाँ के उद्योगों में सहभागी बनाना।
3. विदेशियों को उत्पादन का अधिकांश भाग देने का प्रस्ताव करना।
4. विदेशियों को उच्च पद प्रदान करना।
5. व्यापार अवरोधकों जैसे लाइसेंसिंग प्रणाली आदि का उन्मूलन करना।
6. सरकार ने विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (SEZ) की स्थापना की है जिन्हें शुरूआती अवधि में कर आदि में छूट देकर विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं।
7. सरकार ने खुदरा व्यापार क्षेत्र में भी विदेशी निवेश को मंजूरी दे दी है जिसका कई राज्य सरकारों द्वारा विरोध भी किया जा रहा हैं।

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभावों का उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव

1. वैश्वीकरण के कारण उद्योगों में नई नौकरियों का सृजन हुआ हैं।
2. वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय कंपनियाँ स्वयं बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ बन गई हैं। उदाहरण के लिए, रैनबैक्सी, टाटा मोटर्स।
3. छोटे उत्पादकों व कुटीर उद्योगों को वैश्वीकरण से बहुत हानि हुई है। बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के चलते ये छोटे उद्योग समाप्त होते जा रहे हैं।
4. छोटे उद्योगों में लगे श्रमिकों के सामने बेरोजगारी का खतरा मंडराने लगा है। इन उद्योगों के निरंतर बंद होने से अनेक श्रमिक बेरोजगार हुए हैं।
5. बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों एवं इनसे संबंधित उद्योगों के श्रमिकों को न्यायसंगत हिस्सा नहीं दिया गया हैं जिससे इनके रोजगार पर सदा छँटनी की तलवार लटकती रहती है।

34. विश्व बैंक विभिन्न देशों का वर्गीकरण करने के लिए किस प्रमुख मापदंड का प्रयोग करता हैं? इस मापदंड की सीमाएँ क्या हैं? 5

उत्तर :

विश्व बैंक विभिन्न देशों का वर्गीकरण करने के लिए प्रति व्यक्ति औसत आय के मापदंड का प्रयोग करता है। विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2006 के अनुसार, देशों का वर्गीकरण करने में इस मापदंड का प्रयोग किया गया है। वे देश जिनकी 2004 में प्रति व्यक्ति आय ₹4,53,000 प्रति वर्ष या उससे अधिक है, उन्हें समृद्ध देश और वे देश जिनकी प्रति

व्यक्ति आय ₹37,000 प्रति वर्ष या उससे कम है, उन्हें निम्न आय वाला देश कहा गया है।

सीमाएँ

1. यह मापदंड हमें आय के वितरण के बारे में जानकारी नहीं देता है।
2. यह मापदंड शांति, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा, दीर्घायु की अपेक्षा केवल आर्थिक मापदंड पर ही ध्यान देता है।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) दिए गए भारत के रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए– 2

(A) वह स्थान, जहाँ दिसम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

(B) वह स्थान, जहाँ गाँधी जी ने सूती वस्त्र मिल मज़दूरों के साथ सत्याग्रह किया।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित में से किन्हीं चार को उपयुक्त चिन्हों से दिखाए और उनके नाम लिखें– 4

(i) दिल्ली – इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा

(ii) तारापुर – आण्विक ऊर्जा संयंत्र

(iii) मुम्बई – सूती वस्त्र उद्योग केन्द्र

(iv) वियजनगर – लोहा और इस्पात संयंत्र

(v) तिरुअनंतपुरम् – सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क

(vi) मार्मागाओ – प्रमुख समुद्री पत्तन

उत्तर :